



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 621] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 22, 1984/पौष 1, 1906
No. 621] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 22, 1984/PAUSA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1984

अधिसूचना

का. आ. 955(अ).—राष्ट्रपति द्वारा किया गया निम्न-
लिखित आदेश सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित
किया जाता है :—

आदेश

यतः मैंने, जैल सिंह, भारत के राष्ट्रपति ने, 24 जून,
1983 को संघ राज्य क्षेत्र शासन अधिनियम, 1983 (1983 का
20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अधिनियम" कहा गया है) के
कतिपय उपबंधों का प्रवर्तन पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के संबंध
में उस तारीख से छः मास की कानूनी अवधि के लिए निलंबित करत
हुए, और कतिपय आनुषंगिक और पारिणामिक उपबंध बनाते
हुए जो मूले उपयुक्त कालावधि में पांडिचेरी संघ राज्य का
प्रशासन संविधान के अनुच्छेद 239 के उपबंधों के अनुसार चलाने
के लिए आवश्यक और समीचीन लगे थे, एक आदेश किया
था;

और, यतः, मैंने 23 दिसम्बर, 1983 और 21 जून, 1984 को,
उस तारीख से जिसको प्रथम वर्णित आदेश अन्वया समाप्त हो

गया होता, प्रत्येक अवसर पर छः मास की और अवधि के लिए
पूर्वोक्त आदेश के अधीन निलंबित अधिनियम के उपबंधों के
प्रवर्तन का निलम्बन जारी रखने के लिए और आदेश किए
थे;

और, यतः, मूले पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासन से एक
रिपोर्ट प्राप्त हुई है और उस रिपोर्ट तथा मूले प्राप्त अन्य जान-
कारी पर विचार करने के पश्चात् मेरा यह समाधान हो गया है
कि पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में स्थिति अभी भी ऐसी बनी हुई
है कि उस संघ राज्य क्षेत्र का प्रशासन अधिनियम के उपबंधों के
अनुसार नहीं चलाया जा सकता और उक्त संघ राज्य क्षेत्र के
उचित प्रशासन के लिए यह आवश्यक है कि प्रथम उल्लिखित
आदेश के अधीन मेरे द्वारा निलंबित किए गए अधिनियम के उप-
बंधों का प्रवर्तन निलंबित बना रहना चाहिए और उसमें किए
गए आनुषंगिक और पारिणामिक उपबंध एक वर्ष और छः मास
की अवधि के परे प्रवृत्त बने रहने चाहिए;

अतः, अब, अधिनियम की धारा 51 द्वारा प्रदत्त शक्तियों और
उस निमित्त मूले समर्थ बनाने वाली अन्य सभी शक्तियों का
प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा निदेश देता हूँ :—

(क) कि प्रथम उल्लिखित आदेश के खंड (क) के फल-
स्वरूप निलंबित अधिनियम के उपबंधों का प्रवर्तन
निलंबित बना रहेगा और उस आदेश के खंड (ख)

के फलस्वरूप बनाए गए आनुषंगिक और पारि-
णामिक उपबंध 24 दिसम्बर, 1984 से छः मास
की ओर कालावधि के लिए प्रवर्तित रहेंगे;
और

(ख) कि प्रथम उल्लिखित आवेद, जिसे बाद में संशोधित

किया गया, के बाढ़ (के) में बाढ़े वाले "एक वर्ष
पर्यन्त" को "छः मास" के स्थान पर "एक वर्ष"
में परिवर्तित किया जाएगा।

नई दिल्ली,

22 दिसम्बर, 1984

(जैल सिंह)

भारत का राष्ट्रपति

YR/ND/9041X1

[फा. सं. यू.-11012/1/83-यू.टी.एल.]

हर्ष वदन गोस्वामी, सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 22nd December, 1984

NOTIFICATION

S.O. 955(E).—The following Order made by the
President is published for general information:—

ORDER

Whereas I, Zail Singh, President of India, had on
the 24th June, 1983, made an Order suspending for
a period of six months from that date the operation
of certain provisions of the Government of Union
Territories Act, 1963 (20 of 1963) (hereinafter
referred to as "the Act") in relation to the Union
Territory of Pondicherry, and making certain inci-
dental and consequential provisions which appeared
to me to be necessary and expedient for administering
the Union Territory of Pondicherry in accordance
with the provisions of article 239 of the Constitution
during the aforesaid period

And whereas, I had on the 23rd December, 1983
and the 21st June, 1984, made further Orders con-
tinuing the suspension of operation of the provisions

of the Act for a further period of six months on each
occasion from the date on which the first mentioned
Order would otherwise have expired;

And, whereas, I have received a report from the
Administrator of the Union Territory of Pondicherry
and after considering the report and other informa-
tion received by me, I am satisfied that the situation
in the Union Territory of Pondicherry continues to
be such that the administration of the Union Terri-
tory cannot be carried on in accordance with the
provisions of the Act and that for the proper
administration of that Union Territory it is necessary
that the operation of the provisions of the Act
suspended by me and the first mentioned Order,
should continue to remain suspended; and the inci-
dental and consequential provisions made therein
should continue to operate beyond the period of one
year and six months;

Now, therefore, in exercise of the powers con-
ferred by section 51 of the Act and of all other
powers enabling me in that behalf, I hereby direct—

(a) that the operation of the provisions of Act
suspended by virtue of clause (a) of the first
mentioned Order shall continue to remain
suspended and the incidental and conse-
quential provisions made by virtue of clause
(b) of the said Order shall continue to be
operative, for a further period of six
months with effect from the 24th day of
December, 1984; and

(b) that for the words "one year and six
months" occurring in clause (a) of the first
mentioned Order, as subsequently amended,
the words "two years" shall be substituted.

New Delhi,

the 22nd December, 1984.

Sd/-
(ZAIL SINGH)
President of India

[No. U-11012/1/83-UPA]

H. V. GOSWAMI, Jt. Secy.